# कोटा विश्वविद्यालय, कोटा
# एम.ए.राजस्थानी- परीक्षा 2023

एम.ए.राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उतरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होगें जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उतरार्द्ध में होगें ।

सभी प्रश्न पत्र 100 अंको के होगे । प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घंटे होगी ।

नोट : समस्त प्रश्न पत्रों के उतर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगी ।

## एम.ए.पूर्वार्द्ध

**प्रथम प्रश्न पत्र** : आधुनिक राजस्थानी काव्य

**द्वितीय प्रश्न पत्र** : आधुनिक राजस्थानी गद्य

**तृतीय प्रश्न पत्र** : राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

**चतुर्थ प्रश्न पत्र** : राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

## एम.ए.उतरार्द्ध

**प्रथम प्रश्न पत्र** : मध्यकालीन एवं प्राचीन काव्य

**द्वितीय प्रश्न पत्र** : मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य

**तृतीय प्रश्न पत्र** : काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन

**चतुर्थ प्रश्न पत्र** : विशिष्ट साहित्यकार (1) ईसरदास (2) महाराजा चतुरसिंह (3) जनकवि गणेशलाल व्यास-उस्ताद (कोई एक विकल्प)

**पंचम प्रश्न पत्र** : निबंध/लधु शोध प्रबंध/पाठ संपादन (कोई एक विकल्प)

# एम.ए.पूर्वार्द्ध

## प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य

**समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक : 100**

**नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगें :-**

**खण्ड अ :** इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

**खण्ड ब :** इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उतर देने होगे । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

**खण्ड स :** इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इ काई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

**अध्ययन क्षेत्र**

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन
3. भातृ भाषा एवं शिल्प के बदलतें स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

**पाठ्यापुस्तकें**

1. वीर सतसई: सूर्यमल्ल मीसण 2. बादठी : चन्द्रसिंह
3. राधा: सत्यप्रकाश जोशी 4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया ।

**अंक योजना**

व्याख्य- चारों पाठ्यपुस्तकों में से 9 x 4 = 36 **अंक**

आलोचनात्मक प्रश्न : चारों पाठ्यपुस्तकों में से 16 x 4 = 64 **अंक**

**प्रथम इकाई**

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक -एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगे) 36 अंक

**द्वितीय इकाई**

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**तृतीय इकाई**

बादळी : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**चतुर्थ इकाई**

राधा : सत्यप्रकाश जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पंचम इकाई**

लीलटांस : कन्हेयालाल सेठिया: आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं.) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकता ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जठेरी प्रकाशन,जयपुर ।
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानीग्रथागार,जोधपुर ।
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकता ।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक, हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' प्रकाशक: राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
2. वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर,स्टूडेण्ट्स बुक कम्पनी, चौडा रास्ता, जयपुर ।

## द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थान गद्य

**समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 100**

**नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-**

**खण्ड अ :** इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

**खण्ड ब :** इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

**खण्ड स :** इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

**अध्ययन क्षेत्र**

1. आधुनिक राजस्थान गद्य परपर का अध्ययन ।
2. आधुनिक राजस्थान की महत्वपूर्ण रचनाओं का अध्ययन ।
3. आधुनिक गद्य विधाओं में निबन्ध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन ।

**पाठ्य पुस्तकें**

| | |
|---|---|
| बुगचो | : मुलदान देपावत |
| राजस्थानी निबंध संग्रह | : चन्द्रसिंह |
| आज री राजस्थानी कहाणियाँ | : रावत सारस्वत |
| मांझळ रात | : लक्ष्मीकुमारी चंडावत । |

**अंक योजना**

| | |
|---|---|
| व्याख्या - | 9 x 4 = 36 **अंक** |
| आलोचनात्मक प्रश्न | 16 x 4 = 64 **अंक** |

**प्रथम इकाई**

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 **अंक**

**द्वितीय इकाई**

बुगचो : मुलदान देपावत 16 अंक

**तृतीय इकाई**

राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिहं 16 अंक

**चतुर्थ इकाई**

आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत 16 अंक

**पंचम इकाई**

मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

1. बुगचो : मुलदान देपावत, सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. राजस्थानी निबंध संग्रह: चन्द्रसिंह राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत साहित्य अकादमी नई दिल्ली (पाठ्यक्रम में कहानी सं. 3, 4, 10, 12, 16, 18, 22, 24, 27, 28)
4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चुंडावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृतियाँ
   डॉ. किरण नाहटा प्रकाशक: चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

## तृतीय प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

**समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक : 100**

**नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-**

**खण्ड अ :** इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

**खण्ड ब :** इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नो के उतर देने होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक: 50

**खण्ड स :** इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

**अध्ययन क्षेत्र**

1. भाषा एवं लिपि के विकास की परमपरा और सामान्य सिद्वान्त
2. राजस्थानी भाषा के उद्भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन

3. राजस्थानी लिपि – मुडिया लिपि की जानकारी
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार

नोट :– इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

20 x 5 = 100 **अंक**

**अंक योजना**

| | |
|---|---|
| **प्रथम इकाई** | |
| भाषा एवं लिपि सामान्य सिद्वान्त – एक प्रश्न – आंतरिक विकल्प सहित | 20 अंक |
| **द्वितीय इकाई** | |
| राजस्थानी भाषा:उद्भव एवं विकास –एक प्रश्न– आंतरिक विकल्प सहित | 20 अंक |
| **तृतीय इकाई** | |
| राजस्थानी साहित्य : आदिकाल – एक प्रथन – आंतरिक विकल्प सहित | 20 अंक |
| **चतुर्थ इकाई** | |
| राजस्थानी साहित्य : मध्यकाल – एक प्रश्न – आंतरिक विकल्प सहित | 20 अंक |
| **पंचम इकाई** | |
| राजस्थानी साहित्य : आधुनिककाल – एक प्रश्न – आंतरिक विकल्प सहित | 20 अंक |

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**


1. भाषा – विज्ञान : भोलानाथ तिवारी : किताब महल, दिल्ली
2. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या: साहित्य संस्थान, उदयपुर
3. पुरानी राजस्थानी : एल.पी.टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
4. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया प्रकाशक: राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य – एक परिचय: डॉ. मोतीलाल मेनारिया
6. राजस्थानी भाषा – एक परिचय : नरोत्तम दास स्वामी
7. राजस्थानी सबदकोस (प्रथम खण्ड) सं. सीताराम लालस प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
8. डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्वन शर्मा
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. प्राचीन भारतीय लिपिमाला : गौरीशंकर हीराशंकर ओझा
11. राजस्थानी व्याकरण : नरोत्तमदास स्वामी
12. मारवाडी व्याकरण : रामकरण आसोपा
13. राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस, राजस्थानी शोध सं.चौपासनी जोधपुर ।

## चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

**समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक 100**

**नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-**

**खण्ड अ :** इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

**खण्ड ब :** इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नो के उतर देने होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक: 50

**खण्ड स :** इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

**अध्ययन क्षेत्र**

1. लोक साहित्य के सन्दर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्व, लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकण के आधार
4. राजस्थानी लोक कथा लोकगीत, एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी - देवताओं का परिचय
6. राजस्थान क प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

**नोट :- इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।**

**अंक योजना** 20x 5 = 100 **अंक**

**प्रथम इकाई**

लोक साहित्य : लोक एवं लोक मानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्व -एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

**द्वितीय इकाई**

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण -एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**तृतीय इकाई**

लोक कथा, लोक गीत, लोक गाथा, - एक प्रश्न -(आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक अंक

**चतुर्थ इकाई**

राजस्थानी लोक देवी-देवता - एक प्रश्न - (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**पंचम इकाई**

राजस्थानी संत एवं सन्त सम्प्रदायों का परिचय - एक प्रश्न - (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

| | | |
|---|---|---|
| ♦ राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्वान्तिक विवेचना | : | डॉ. सोहनदास चारण |
| ♦ राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रव तियां | : | डॉ. महेन्द्र भानावत |
| ♦ लोक साहित्य विज्ञान | : | डॉ. सत्येन्द्र |
| ♦ लोक साहित्य की भूमिका | : | डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय |
| ♦ भारतीय लोक वाड्मय | : | डॉ. श्याम परमार |
| ♦ लोक धर्म | : | वासुदेवशरण अग्रवाल |
| ♦ लोक साहित्य (व्याख्यान) | : | झवेरचन्द्र मेघाणी |
| ♦ राजस्थान का लोक साहित्य | : | नानूराम संस्कर्ता |
| ♦ तेजाजी | : | डॉ. कन्हैयालाल सहल |
| ♦ तेजाजी | : | डॉ. महेन्द्र भानावत |
| ♦ मध्यकालीन भारतीय संस्कृति | : | गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा |
| ♦ नाथ सम्प्रदाय | : | डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी |

# एम.ए.उतरार्द्ध परीक्षा 2023

## प्रथम प्रश्न पत्र – मध्यकालीन एवं प्राचीन राजस्थानी काव्य

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 100**

### अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एंव मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. भक्ति परक रचना एंव रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन।
3. प्राचीन रचनाओं एंव वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन।

### पाठयपुस्तकें

| | | |
|---|---|---|
| रणमल्ल छंद | : | श्रीधर व्यास |
| वेलि किसण रूकमणी री | : | पृथ्वीराज राठौड़ |
| हाला झाला री कुण्डळिया | : | ईसरदास, मीरां वृहद् पदावली |

### अंक योजना

| | | |
|---|---|---|
| व्याख्या– | 9 x 4 = | 36 अंक |
| आलोचनात्मक प्रश्न | 16 x 4 = | 64 अंक |

**प्रथम इकाई**

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 अंक

**द्वितीय इकाई**

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 16 अंक

**तृतीय इकाई**

वेलि किसण रूकमणी री: पृथ्वीराज राठौड़ 16 अंक

**चतुर्थ इकाई**

हाला झाला री कुण्डळिया : ईसरदास 16 अंक

**पंचम इकाई**

मीरां वृहद् पदावली : भाग प्रथम (प्रथम 101 पद) 16 अंक

### पाठयपुस्तकें

1. रणमल्ल छंद: (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मदिंर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि किसण रूकमणी री: (सं.)नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड सन्स, आगरा।
3. हाला झाला री कुण्डळिया: (सं.) डॉ0 मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
4. मीरा वृहद् पदावली- भाग प्रथम : (सं.) पुरोहित हरिनारायण प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।

### अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. प्राचीन काव्य रूपों की पंरपरा: अगरचन्द नाहटा : भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि किसण रूकमणी री : आनन्द प्रकाश दीक्षित।

## द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 100**

### अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा का अध्ययन
2. वचनिका परंपरा का अध्ययन
3. राजस्थानी वात परंपरा का अध्ययन
4. राजस्थानी वात परंपरा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन ।

### पाठ्यपुस्तकें

1. वचनिका अचलदास खीची री : शिवदास गाडण
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : (सं.) डॉ. नरोतम स्वामी
3. कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
4. मारवाड रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत

### अंक योजना

व्याख्या– 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 64 अंक

**प्रथम इकाई**

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 अंक

**द्वितीय इकाई**

वचनिक अचलदास खींची री : शिवदास गाडण 16 अंक

**तृतीय इकाई**

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 16 अंक

**चतुर्थ इकाई**

कुवंरसी सांखलो 16 अंक

**पंचम इकाई**

मारवाड रा उमरावां री वारता 16 अंक

### पाठ्यपुस्तकें

1. अचलदास खीची री वचनिका : (सं.) भूपति राम साकरिया, पंचशील प्रकाश्न, जयपुर।
2. राजस्थान साहित्य संग्रह भाग– (सं.) डॉ. नरोतम दास स्वामी : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ।
3. कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पचंशाील प्रकाशन, जयपुर।
4. मारवाड रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभागसिंह शैखावत, राजस्थानी ग्रथागार, जोधपुर ।

## तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 100**

### अध्ययन क्षेत्र

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्वान्तों का अध्ययन
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन
4. पाठालोचन के सिद्वान्त एवं पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

**नोटः** इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

### पाठ्यक्रम विषय सामगी

**इकाई 1 :** साहित्य का स्वरूप तथा विवेचना, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के तत्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजना

**इकाई 2 :** रस सिद्वान्त : रस नि पति, साधारणीकरण अलंकरी सम्प्रदाय,वक्रोति सिद्वान्त (स्वरूप और भेद) ध्वनि सिद्वान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

**इकाई 3 :** अरस्तू क काव्य सिद्वान्त (अनुकृति सिद्वान्त,विरेचन सिद्वान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), कोंचे का अभिव्यंजनावाद, आई, ए, रिचर्ड्स का काव्य सिद्वान्त (मूल्य सिद्वान्त)

**इकाई 4 :** राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य - दोष

**इकाई 5 :** पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप और सिद्वान्त

**अंक योजना :**

इस प्रश्न पत्र में काव्य शास्त्र के लिए 80 अंक तथा पाठालोचन के लिए 20 अंक निर्धारित है।

| | |
|---|---|
| **प्रथम इकाई** | |
| साहित्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) | 20 अंक |
| **द्वितीय इकाई** | |
| भारतीय काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) | 20 अंक |
| **तृतीय इकाई** | |
| पाश्चात्य काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) | 20 अंक |
| **चतुर्थ इकाई** | |
| राजस्थानी काव्य शास्त्र - (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) | 20 अंक |
| **पंचम इकाई** | |
| पाठालोचन सिद्वान्त और प्रक्रिया(एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) | 20 अंक |

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| रस मीमांसा | : रामचन्द्र शुक्ल |
| भारतीय साहित्यशास्त्र | : बलदेव उपाध्याय |
| पाठालोचन सिद्वान्त और प्रकिया | : डॉ. मिथलेश कांत तथा विमलेश कान्ति |
| समीक्षा सिद्वान्त | : डॉ. राम प्रकाश |
| भारतीय पाठालोचन की भुमिका | : डॉ. एस.एस. कत्रे |
| रघुवर जस प्रकास | : डॉ. किसना आडा, प्रकाशक:राजस्थान प्राच्य विद्या प्रति ठान, जोधपुर |

## चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 100**

विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के सबंधं में तीन साहित्यकारों कें व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। जिनमें तीन साहित्यकारो का निर्धारण किया गया है । विद्याार्थी इन तीनों में सें एक साहित्यकार का चयन कर अध्ययन करेगें

1. ईसरदास 2. महाराजा चतुरसिंह 3. जनकवि गणेशलाल व्यास ''उस्ताद''
2.

**पाठ्यपुस्तकें**

प्रत्येक साहित्यकार के लिए निम्न पाठ्यपुस्तक का निर्धारण किया गया है । जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा ।

| | |
|---|---|
| 1. हरिरस | : ईसरदास (कुल 50 पद) |
| 2. चतुर चितामणी | : महाराजा चतुरसिंह (डिंगलखण्ड): महाराजा मेवाड फाउण्डेशन ट्रस्ट, उदयपुर । |
| 3. जनकवि उस्ताद | : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली |
| | प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर |

**अंक योजना**

| | |
|---|---|
| व्याख्या – | 36 अंक |
| आलोचनात्मक प्रश्न | 64 अंक |
| निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से चयनित साहित्यकार के अनुसार | |
| **प्रथम इकाई :** व्याख्या कुल चार : (आन्तरिक विकल्प सहित) | 36 अंक |
| व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रशन | |
| कुल चार प्रश्न : जिनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा | 16 x 4 = 64 **अंक** |

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

| | |
|---|---|
| 1. हमारा उस्ताद | : विजयदान देथा |
| 2. महाराजा चतुरसिंह | : संग्रामसिंह राणावत |
| 3. ईसरदास बारहठ | : (मोगोग्राफ) प्रकाशक:साहित्य अकादमी, नई दिल्ली |

## पंचम प्रश्न पत्र – निबंध/लघु शोध प्रबंन्ध/पाठ सम्पादन

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 100**

**निर्देश (1)– इस प्रश्न पत्र में किसी एक विषय पर निबंध लिखना होगा ।**

**निर्देश (2)– यह निबंध राजस्थानी भाषा में अनिवार्य रूप से लिखना होगा ।**

**अथवा**

### लघु शोध प्रबन्ध

लघु शोध प्रबंन्ध लिखने की अनुमति उसी विद्याार्थी को दी जायेगी जिसने एम.ए.पूर्वार्द्व परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक पाप्त किये हों ।

लघु शोध प्रबंन्ध हेतु विद्यार्थी को अंकित 100 पृष्ठो में लघुशोध प्रस्तुत करना होगा । इस शोध प्रबन्ध का माध्यम भी राजस्थानी हो होगा । लघु शोध प्रबन्ध किसी प्राधाध्यापक के निर्देशन में तैयार किया जायेगा जिसके लिये एक विषय निर्धारित किया जाना होगा विषय राजस्थानी साहित्य से सम्बन्धित होना चाहिये ।

**अथवा**

### पाठ सम्पादन

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकते है जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होगें पाठ सम्पान कार्य हेतु विषय निर्धारित एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी प्रधाध्यापक के मार्गनिर्देशन मे ही कार्य करना होगा ।पाठ सम्पादन हेतु वहीं हस्तलिखित ग्रन्थ सवीकृत होगा जिसके कम से कम 20 पृष्ठ हों तथा हस्तलिखित दों प्रतियां उपलब्ध हों । सम्पादन की स्पष्टता के लिये हस्तलिखित दो प्रतियां उपलध हों ।सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में किया जाना चाहिए ।